**B.A Part-2 Psy. Paper-3 Group:A (Research Methodology) by Dr. Prabha Shree (Guest Faculty Psychology deptt., Vaishali Mahila College Hajipur)**
**class Date-23.05.2020.**

---

# प्रश्नावली विधि

## (Questionnaire Method)

मनोविज्ञान के क्षेत्र में जब अध्ययन इकाइयों का क्षेत्र विस्तृत होता है तथा सूचनादाताओं की संख्या अधिक है, तब इस विधि का प्रयोग किया जाता है। Primary data collection की एक विधि प्रश्नावली (questionnaire) है। प्रश्नावली, प्रश्नों की एक उद्देश्यपूर्ण सुनियोजित सूची होती है। प्रश्नावली में अनेक प्रश्न मुद्रित (printed) अथवा टंकित (typed) रहते हैं, ऐसे प्रश्न किसी शोध समस्या से संबंधित होता है, उत्तर देने वाले (respondents) अपनी इच्छा से उन प्रश्नों के उत्तर देते हैं, जिसके द्वारा अध्ययन समस्या

के संबंध में अध्ययन इकाइयों से उत्तर प्राप्त किए जाते हैं तथा प्राप्त उत्तरों को व्यवस्थित करके सांख्यिकीय विश्लेषण की सहायता से परिणाम प्राप्त किए जाते हैं। प्रश्नावली विधि का उपयोग मनोबल, रूचियों, अभिवृत्तियों आदि के अध्ययन के लिए किया जाता है। Data collection के लिए इस विधि का उपयोग प्रायः research workers, private organisation, public organisation, government organisation आदि करते हैं तथा आवश्यक सूचनाएं एकत्र करते हैं।

**<u>प्रश्नावली की परिभाषा</u>**

**गुडे तथा हट (1952)** ने प्रश्नावली को परिभाषित करते हुए लिखा है- " सामान्यतः प्रश्नावली शब्द से एक ऐसे उपकरण का बोध होता है, जिसमें प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने के लिए एक प्रपत्र का उपयोग किया जाता है जिसे सूचनादाता स्वयं अपने आप भरता है"

**पी. वी. यंग (1965) के अनुसार-** "प्रश्नावली को एक ऐसे प्रपत्र की परिभाषा दी जाती है जिसको उत्तरदाताओं के पास प्रायः डाक द्वारा प्रेषित किया जाता है तथा जिसमें उत्तरदाताओं द्वारा अपना स्वयं मूल्यांकन प्रस्तुत किया जाता है तथा जिसकी सामग्री का उद्देश्य तथ्यों अथवा मदों या फिर दोनों ही की जानकारी प्राप्त करना होता है और जिसमें प्रश्नों की रचना एवं व्यक्तियों के प्रति अथवा उनके परिवारों या फिर, उनके काम-धंधों से संबंधित है"

**बार, डेविस एवं जॉनसन के अनुसार-** " प्रश्नावली प्रश्नों का व्यवस्थित रूप में एकत्रीकरण है, जो कि उस जनसंख्या या न्यादर्श को दी जाती है जिससे उत्तर प्राप्त करने होते हैं"

**<u>प्रश्नावली के उद्देश्य (Purposes of questionnaire)</u>**

1. **अध्ययन की सुविधा तथा सरलता-** प्रश्नावली द्वारा अध्ययन का प्रक्रम अपेक्षाकृत सुविधाजनक

तथा सरल रहता है, क्योंकि इसमें क्षेत्र अध्ययन से संबंधित अनेक बाधाओं व कठिनाइयों से मुक्ति मिल जाती है। इसमें उत्तरदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क करने, साक्षात्कार करने तथा वार्तालाप द्वारा सूचना संकलन करने का झंझट नहीं रहता।

2. **दूरस्थ तथा विस्तृत क्षेत्रों का अध्ययन-** प्रश्नावली द्वारा दूर-दूर के क्षेत्रों का अध्ययन सफलतापूर्वक किया जा सकता है, क्योंकि इसके अंतर्गत प्रश्नावली को डाक सेवा द्वारा दूर-दूर के क्षेत्रों तक प्रेषित करने में कोई कठिनाई नहीं होती है। अपने कमरे में ही बैठकर अध्ययनकर्ता इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कर सकता है।

3. **व्यवस्थित तथा वस्तुपरक अध्ययन-** प्रश्नावली द्वारा अध्ययन में एक निश्चित व्यवस्था तथा कठोर वस्तुपरकता निहित होती है, क्योंकि इसमें प्रश्नों का स्वरूप, संरचना तथा संख्या निश्चित

रहते हैं। उनमें साक्षात्कार जैसी अनिश्चित स्थिति नहीं रहती है, जिसमें प्रश्नों के अनुक्रम में हेरफेर व परिवर्तन करने की निरंतर संभावना रहती है। दूसरा प्रश्नावली के प्रश्नों के उत्तर सूचनादाता अपने ढंग से तथा अपने ही मन से देता है, अध्ययनकर्ता के व्यक्तिगत प्रभाव में आकर नहीं अतः इससे अध्ययन में विशेष वस्तुपरकता की सुविधा रहती है।

4. **कम खर्च तथा कम कार्य-** प्रश्नावली द्वारा अध्ययन में प्रश्नावलियों को उत्तरदाताओं के पास भेजने में केवल डाक खर्च ही करना पड़ता है। यह अध्ययन क्षेत्र अध्ययन के अंतर्गत क्षेत्र कार्यकर्ताओं, अध्ययनकर्ताओं व क्षेत्र पर्यवेक्षकों पर किए गए खर्च की अपेक्षा बहुत ही कम होता है।

5. **द्रुतगामी अध्ययन-** प्रश्नावली द्वारा अध्ययन में समय भी अपेक्षाकृत कम ही लगता है, क्योंकि

इसके अध्ययन का एकमात्र साधन डाक सेवा होती है जिसके द्वारा सूचना संकलन के कार्य में क्षेत्र अध्ययन जैसी देरी नहीं लगती बल्कि सूचना प्राप्त करने का प्रकरण द्रुतगामी रुप से संपन्न होता है।

सामाजिक विज्ञानों में विशेषकर समाजशास्त्र, मानवशास्त्र तथा मनोविज्ञान में इस पद्धति पर आधारित अनेक अध्ययन हुए हैं जिनके आधार पर इन विषयों के ज्ञान क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि हुई है।